आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 97 | उज्जैन, गुरुवार 27 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

51 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा पथरिया बायपास-मुख्यमंत्री

दमोह सहित मध्यप्रदेश के 10 जिले कृषि उत्पादन में पंजाब को पीछे छोड़ेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बुंदेलखण्ड अंचल की तस्वीर और तकदीर बदलने वाली केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना मंजूर की है। इसके क्रियान्वयन से दमोह सहित प्रदेश के 10 जिले लाभान्वित होंगे। बुंदेलखण्ड अंचल के 8 लाख हेक्टेयर से अधिक इलाके को सिंचाई के लिए जल और पेयजल सहित उद्योगों के लिए भी पानी की आपूर्ति का कार्य हो सकेगा। मध्यप्रदेश का यह क्षेत्र कृषि उत्पादन में पंजाब को भी पीछे छोड़ देगा। यहां पानी का सूखा खत्म होगा और किसान खुशहाल होंगे। स्थानीय निवासियों द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि का विक्रय नहीं किया जाना चाहिए। यह भूमि बहुमूल्य सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर 51 करोड़ रुपए की लागत से पथरिया बायपास निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में हायर सेकेंड्री स्कूल का नाम राष्ट्रवादी विचारक श्री के.सी. सुदर्शन जी के नाम से करने और मटकोलेश्वर सीतानगर बांध में पर्यटन की दृष्टि से ÷नौकायन'' प्रारंभ करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार की शाम दमोह जिले के पथरिया के निकट अजबधाम में पूज्य जै-जै सरकार के वार्षिक उत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। मध्यप्रदेश की धरती पर नदी जोड़ो जैसी परियोजनाएं क्रियान्वित करने की पहल हुई है, वहीं राज्य सरकार ने कृषि के साथ पशुपालन को बढ़ावा देते हुए दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी होने का संकल्प लिया है। इसके लिए 10 गायों के पालन पर सब्सिडी प्रदान करने और दुग्ध उत्पादन पर बोनस देने की रणनीति बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विवाह समारोहों में फिजूलखर्ची रोकने का आव्हान भी किया।

आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

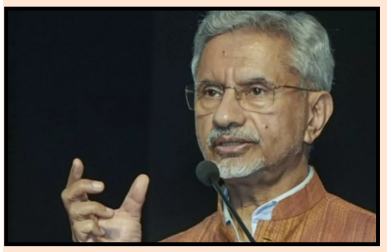

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार सम्मेलन में कहा कि पिछले कुछ सालों में स्थापित वैश्विक ढांचे पूरी तरह से बेकार साबित हुए हैं। अब समकालीन वैश्विक वास्तविकताओं के आधार पर नई बहुआयामी प्रणाली स्थापित करने की स्पष्ट व त्वरित आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भारत हमेशा ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की वकालत करेगा। जिनेवा में मंगलवार को 58वें संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार सम्मेलन के वर्चुअल सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल पर कहा कि विश्व में संघर्षों के दौर जारी हैं।

जानिए और क्या बोले विदेश मंत्री- विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा चुनौतियों के बीच यह परिस्थितियां और अधिक विकृत, अनिश्चित और अस्थिर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें और तैयारी की जरूरत है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए फिट होना जरूरी है।

द्वारका के मंदिर से प्राचीन शिवलिंग चोरी, गोताखोरों की मदद से समुद्र में चलेगा तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर गुजरात के देवभूमि द्वारका में हर्षद समुद्र तट के पास श्री भीदभंजन भवनीश्वर महादेव मंदिर से कथित तौर पर एक शिवलिंगकी चोरी हुई है। इस घटना के बाद पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया।

पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने कहा कि चोरी हुए शिवलिंग का पता लगाने के लिए टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि, अधिकारियों को संदेह है कि शिवलिंग को समुद्र में छिपाया जा सकता है इसलि स्कूबा गोताखोरों और तैराकों को सहायता के लिए बुलाया गया है। एसपी ने कहा, भीड़भंजन भवानीश्वर महादेव मंदिर के पुजारी ने पुलिस को सूचना दी थी कि किसी ने मंदिर से शिवलिंग चुरा लिया है। इसके बाद टीमें गठित की गई और जांच की जा रही है।

उन्होंने आगे कहा, ऐसी संभावना है कि किसी ने शिवलिंग को समुद्र में छिपा दिया होगा और इसलिए हमने विशेषज्ञ स्कूबा गोताखोरों और तैराकों को बुलाया है। आगे की जांच चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने एचडी कुमारस्वामी को दिया झटका, भ्रष्टाचार केस में कार्यवाही रद करने की याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से मंगलवार को केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को जोर का झटका लगा। शीर्ष कोर्ट ने कुमारस्वामी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने दो भूखंडों की अधिसूचना निरस्त करने से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में कार्यवाही रद करने का अनुरोध किया था।

अदालत ने कही ये बात- जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने कर्नाटक हाई कोर्ट के नौ अक्टूबर 2020 के आदेश के खिलाफ कुमारस्वामी की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। हाई कोर्ट ने इस मामले में उनके खिलाफ कार्यवाही रद करने से मना कर दिया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता हरीन रावल और अतिरिक्त महाधिवक्ता अमन पंवार कर्नाटक राज्य की ओर से पेश हुए और सुप्रीम कोर्ट में कुमारस्वामी की याचिका का विरोध किया।

यह मामला एमएस महादेव स्वामी द्वारा बेंगलुरु में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विशेष न्यायाधीश के समक्ष दायर एक निजी शिकायत से संबंधित है, जिसमें कुमारस्वामी और अन्य के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है।

शिकायत में लगाया गया है यह आरोप- शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जून 2006 से अक्टूबर 2007 के बीच कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान बेंगलुरु दक्षिण के हलगेवदेरहल्ली गांव में दो भूखंडों की अधिसूचना रद कर दी गई थी ताकि आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सके। शीर्ष अदालत ने 18 जनवरी 2021 को कुमारस्वामी की याचिका पर शिकायतकर्ता और कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी किया था।

एक देश-एक चुनाव संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश-एक चुनाव को लेकर पेश किए गए संशोधन विधेयक पर गठित संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सामने मंगलवार को देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित सहित कुछ कानूनविद पेश हुए और संशोधन विधेयक से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित ने एक देश एक चुनाव के खिलाफ राय जाहिर करते हुए कहा कि यह देश के लोकतंत्र के ढांचे और संविधान के मूल ढांचे के साथ छेड़छाड़ करने जैसा होगा। जस्टिस ललित ने सांसदों के साथ लंबे सवाल-जवाब के दौरान कहा कि एक देश एक चुनाव विधेयक सुनने में जितना अच्छा है, उसका अमल में उतनी ही ज्यादा चुनौतियां हैं।

ढाई घंटे तक दिए जेपीसी के सवालों के जवाब- वैसे भी लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने का जो चक्र टूटा है, वह इस देश के लोकतंत्र की मजबूती की स्वाभाविक उपज है। संसदीय कमेटी से जुड़े विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक पूर्व मुख्य न्यायाधीश ललित ने इस दौरान सदस्यों के सवालों के करीब ढाई घंटे तक जवाब दिए। साथ ही इसकी राह की चुनौतियों को भी गिनाया।

कई सांसदों ने पूछे प्रतिप्रश्न - जस्टिस ललित ने विधेयक को संविधान के बुनियादी ढांचे तथा लोकतंत्र के खिलाफ बताया जो कई सांसदों ने प्रति प्रश्न करते हुए पूछा कैसे? इस पर जस्टिस ललित ने कहा कि विधेयक संविधान के बुनियादी ढांचे के स्तंभों पर खरा नहीं उतरता।

क्या संकट में है महिलाओं की फ्री बस सेवा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली परिवहन निगम पर 60 हजार करोड़ का कर्ज नवगठित रेखा सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन रह है। प्रतिदिन भी निगम में घाटा बढ़ रहा है। इस आर्थिक संकट में महिलाओं की फ्री बस सेवा सरकार के लिए अग्निपरीक्षा से कम नही है। पिछली आप सरकार निगम का यह 60 हजार करोड़ का घाटा वर्तमान रेखा सरकार को उपहार में दे गई है।

दूसरे शब्दों में कहें तो आप की सरकार अपने दोनों ही कार्यकाल में पर्याप्त बसें खरीदने में विफल रही है। 2015 से 2020 के कार्यकाल में यह सरकार एक बस भी नहीं खरीद सकी थी।

यूक्रेन से बातचीत के बीच रूस ने पीएम मोदी को भेजा निमंत्रण, जानिए क्या है पुतिन का प्लान?

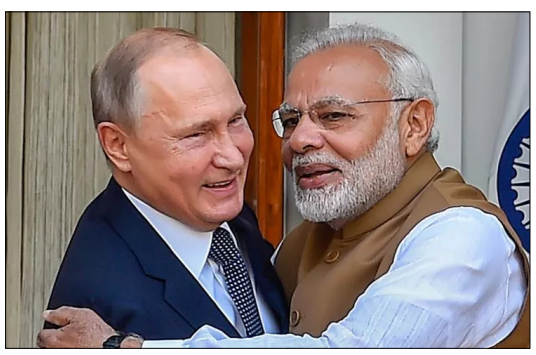

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को के रेड स्क्वायर पर होने वाली परेड में भाग लेने के लिए रूस जा सकते हैं। यह परेड ग्रेट पैट्रियोटिक वॉर में विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की जाएगी।

रूसी समाचार एजेंसी TASS ने बुधवार को सूत्रों के हवाले से यह दावा किया। एजेंसी ने माना कि पीएम मोदी के दौरे की संभावनाएं काफी ज्यादा हैं।

रिहर्सल के लिए पहुंचेगी सेना की टुकड़ी- इसमें कहा गया है कि परेड में शामिल होने के लिए इंडियन आर्म्ड फोर्स की एक टुकड़ी को रिहर्सल के लिए परेड से एक महीने पहले पहुंचना होगा। एजेंसी ने दावा किया है कि इस पर भी काम किया जा रहा है। इसके मुताबिक, भारतीय सैन्य कर्मियों को भेजने से संबंधित मुद्दों पर फिलहाल चर्चा की जा रही है। बता दें कि इससे पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि 9 मई को मॉस्को में होने वाले इवेंट के लिए कई देशों को निमंत्रण भेजा गया था, जिन्होंने इसे स्वीकार भी कर लिया है।

TASS के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति दिमित्री पेसकोव के प्रेस सचिव ने कहा कि 9 मई के जश्न में भाग लेने के लिए केवल CIS ही नहीं, बल्कि विभिन्न देशों के नेताओं को मॉस्को आमंत्रित किया जाएगा।

उन्होंने संकेत दिया कि रूस उन सभी विदेशी मेहमानों को देखकर खुश होगा, जो मॉस्को में विजय दिवस के महत्व को समझते हैं।

कज़ान में मिले थे पुतिन और मोदी- बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अक्टूबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर रूस की अध्यक्षता में कज़ान में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस का दौरा किया था।

यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और रूसी अधिकारियों के बीच बातचीत के बीच होगी। इस महीने की शुरुआत में रियाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पिछली यात्राओं के दौरान रूसी राष्ट्रपति और यूक्रेनी राष्ट्राध्यक्ष व्लादमीर जेलेंस्की के साथ बैठकों में शांति की वकालत की थी।

बांग्लादेश में फिर संकट, छात्रों ने किया नई पार्टी बनाने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल मच चुकी है। जिन छात्र नेताओं की वजह से शेख हसीना की सरकार गिर गई, उन्हीं छात्रों ने अब राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान कर दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ दिनों में छात्र एक राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा करने वाले हैं।

बता दें कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सलाहकार नाहिद इस्लाम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नाहिद इस्लाम यूनुस कैबिनेट में सूचना सलाहकार के पद पर तैनात थे। उन्होंने मंगलवार को मोहम्मद यूनुस को अपना इस्तीफा दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नई पार्टी बनाने की घोषणा शुक्रवार दोपहर 3 बजे (बांग्लादेश समय के मुताबिक) की जाएगी। जातीय नागरिक समिति के मुख्य आयोजक सरजिस आलम ने सोमवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पार्टी बनाने का एलान किया है। बांग्लादेश के हालात पर आर्मी चीफ चिंतित

बांग्लादेश में नेताओं के बीच आंतरिक स्थिति की पैदा हो गई है। बांग्लादेश आर्मी चीफ (सेना प्रमुख) ने भी सभी नेताओं को चेतावनी दी है।

सेना प्रमुख वकार-उज्जमान ने कहा,÷देश की कानून व्यवस्था खराब होने के कुछ कारण हैं। पहला कारण हैं कि हम आपस में ही लड़ने में व्यस्त हैं। अगर आप अपने मतभेदों को नहीं भुलाते हैं तो इससे दिक्कत होगी। देश की संप्रभुता जोखिम में पड़ जाएगी। मैं चेतावनी दे रहा हूं। सभी नेता एक दूसरे पर आरोप लगाने में व्यस्त हैं, जिससे शरारती तत्वों को माहौल बिगाड़ने का मौका मिल रहा है।

सेना प्रमुख वकार-उज्जमान ने नेताओं को कहा कि मैं सिर्फ आपको वार्निंग दे रहा हूं। इसके पीछे कोई निजी एजेंडा नहीं है। मैं देश की भलाई में यह बात कह रहा हूं। मैं सिर्फ शांति बहाली चाहता हूं।

छात्र आंदोलन की वजह से गई थी शेख हसीना की सरकार- पिछले साल सरकार नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन किए थे। आंदोलनकारी छात्रों ने शेख हसीना सरकार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन किए। इस हिंसक प्रदर्शन में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। छात्र आंदोलन की वजह से न सिर्फ शेख हसीना की सरकार गिर गई बल्कि उन्हें अपने परिवार के साथ भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।

बता दें कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पहले ही साफ किया था कि उन्हें चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है। सवाल है कि देश में चुनाव कब होंगे, इस बात पर संशय बरकरार है। हाल के दिनों में यूनुस ने कहा है कि 2025 के अंत तक चुनाव हो सकते हैं।

चार शवों के बदले इजरायल सैकड़ों फलिस्तीनी कैदियों को करेगा रिहा, नए समझौते पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सैकड़ों फलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले मृत बंधकों के शवों की अदला-बदली नीति पर दोनों तरफ से सहमती बन गई है।

600 कैदियों की रिहाई में हुई देरी- अधिकारियों ने बताया कि इजराय और हमास के बीच नाजुक युद्धविराम के कम से कम कुछ और दिनों तक बरकरार रहने की संभावना है। इजरायल द्वारा 600 फलिस्तीनी कैदियों को शनिवार को रिहा करना था, जिसमें

देरी हुई। इस बारे में इजरायल ने कहा कि हमास ने रिहाई के दौरान बंधकों के साथ क्रूर व्यवहार किया।

इस पर हमास की तरफ से बयान दिया गया कि कैदियों की रिहाई में देरी उनके युद्धविराम का गंभीर उल्लंघन है और जब तक कैदियों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक दूसरे चरण की बातचीत संभव नहीं है।

युद्धविराम असफल होने का मंडराया था खतरा- दोनों तरफ से इस तरह के गतिरोध के कारण युद्धविराम के असफल होने का खतरा मंडराने लगा था। बता दें, युद्धविराम के छह सप्ताह के पहले चरण की अवधि इस सप्ताह समाप्त होने वाली है।

लेकिन इस बीच मंगलवार देर रात हमास ने कहा कि समूह के एक शीर्ष राजनीतिक अधिकारी खलील अल-हय्या की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने काहिरा की यात्रा के दौरान विवाद को हल करने के लिए एक समझौता किया था।

फलिस्तीनी कैदियों के एक नए समूह को भी किया जाएगा रिहा- इस समझौते के बाद अब चार और बंधकों के शवों और युद्धविराम के तहत रिहा किए जाने वाले सैकड़ों अतिरिक्त कैदियों की वापसी का रास्ता साफ हो गया है।

ट्रंप का कनाडा को अल्टीमेटम, Five Eyes से बाहर करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप एक के बाद एक ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं। अब ट्रंप की नजर कनाडा पर है, और यही कारण है शायद दोनों देशों के बीच खटास बढ़ती जा रही है। ट्रंप की तरफ से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को सार्वजनिक रूप से गवर्नर ट्रूडो कहकर ट्रोल करने के कुछ ही घंटों बाद कनाडा को एक और झटका लगा।

जब खबर आई कि ट्रंप के टॉप सहयोगी ने कनाडा को फाइव आईज खुफिया नेटवर्क से बाहर करने का प्रस्ताव दिया है। फाइव आईज खुफिया नेटवर्क सबसे करीबी और सबसे सफल खुफिया गठबंधनों में से एक है, जिसमें ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं।

हालांकि इसको लेकर अभी ट्रंप की तरफ से कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। यह प्रस्ताव कथित तौर पर ट्रंप के सलाहकार पीटर नवारो की ओर से आया है, जो कनाडा को अमेरिका में विलय के लिए राजी करने के लिए दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। हालांकि नवारो ने बाद में रिपोर्ट का खंडन करते हुए इसे बकवास कहा, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं है कि वाशिंगटन कनाडा के खिलाफ उग्र है।

लैंड हो रहा था विमान, तभी रनवे पर आ गई दूसरी फ्लाइट; पायलट ने यूं बचाई सैकड़ों लोगों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के शिकागो में एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। दरअसल, शिकागो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर साउथवेस्ट एयरलाइंस का विमान रनवे पर लैंड कर रही था। वहीं, दूसरी तरफ से एक जेट, उसी रनवे पर टेक-ऑफ के लिए आगे बढ़ रही थी।

साउथवेस्ट एयरलाइंस के विमान के पायलट की जैसी ही रनवे पर चल रहे जेट पर नजर पड़ी, उसने विमान को लैंड कराने के बजाय वापस आसमान में टेक-ऑफ करने का फैसला कर लिया। पायलट की होशियारी की वजह से हादसा होते-होते टल गया। विमान जब एक बार फिर हवा में उड़ गया तो यात्री भी हैरान रह गए। थोड़ी देर के लिए विमान में सवार यात्रियों में खौफ की स्थिति पैदा हो गई।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो- इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि साउथवेस्ट का विमान सुबह 9 बजे के करीब रनवे के पास पहुंच रहा था, तभी अचानक ऊपर उठ गया। उसी समय एक छोटा विमान रनवे पार कर रहा था।

थाईलैंड में बड़ा सड़क हादसा, खाई में बस गिरने से 18 लोगों की मौत; कई घायल

थाइलैंड के प्राचिनबुरी में एक टूर बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। बुधवार को वहां की पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है।

ब्रेक हुआ फेल, खाई में गिरी बस- पुलिस ने बताया, जिस इलाके में घटना घटी है वो एक ढलान वाली सड़क थी और बस का ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद बस के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और फिर बस खाई में जा गिरी, जिसमें 18 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों की मौत हुई है वो सभी लोग स्टडी ट्रिप पर जा रहे थे। घटना राजधानी बैंकॉक से 155 किमी (96 मील) पूर्व में घटी है। इस घटना से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट पर बचाव और चिकित्साकर्मी घटनास्थल पर देखे जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर किया पोस्ट- थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने इस हादसे को लेकर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। साथ ही उन्होंने इस हादसे को लेकर जांच की बात कही।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यदि यह पाया जाता है कि वाहन सुरक्षा का उल्लंघन हुआ है तो ऐसे वाहन जो मानकों को पूरा नहीं करते हैं और वाहनों को लापरवाही पूर्वक चलाते हैं, उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएम शिनावात्रा ने कहा, वाहनों का निरीक्षण सुरक्षित तरीके से होना चाहिए और वाहनों को मानकों का पालन करना सुनिश्चित हो। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मानकों का उपयोग होना चाहिए।

महिला ने डेटिंग एप पर की दोस्ती, फिर ड्रग्स देकर कई लोगों को लगाया चूना; पैसा-गाड़ी चुराकर हुई फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेटिंग एप के जरिए धोखाधड़ी अब आम होती जा रही है। इसी तरह की धोखाधड़ी का मामला अमेरिका के लास वेगास से सामने आया है। अमेरिका में एक महिला ने डेटिंग एप के जरिए लोगों को सबसे पहले प्रेमसाल में फंसाया, फिर उनके साथ धोखा किया।

बताया जा रहा है लूटपाट के लिए महिला ने ड्रग्स का इस्तेमाल किया। महिला का नाम ऑरोरा फ्लेप्स फेल्प्स बताया जा रहा है। महिला की उम्र 43 साल है।

डेट पर बुलाकर दिया ड्रग्स- लास वेगास की रहने वाली महिला ऑरोरा फ्लेप्स ने विभिन्न डेटिंग एप के जरिए कई पुरुषों को पहले अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर उन्हें डेट पर बुलाकर उन्हें धोखे से ड्रग्स दिया। आरोपी महिला ने नशे की हालत में लोगों से लूटपाट की और उनके बैंक अकाउंट और क्रेडिट कार्ड आदि की जानकारी भी ले ली।

इतना ही नहीं आरोपी महिला ने स्टेरॉयड का इंजेक्शन लगाने के बाद पीड़ितों के सामाजिक सुरक्षा और रिटायरमेंट खातों में भी डाका डालने की कोशिश की है। महिला फिलहाल मेक्सिको में पुलिस हिरासत में है।

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके करते थे चोरी- एफबीआई ने ऑरोरा फेल्प्स के डेटिंग घोटाले के शिकार हुए अन्य पुरुषों से आगे आने का अनुरोध किया। हालांकि ब्यूरो को संघीय अपराधों के पीड़ितों का नाम बताने के लिए कानून की आवश्यकता होती है, लेकिन उन्होंने कहा कि पहचान गुप्त रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, फेल्प्स पीड़ितों की कारें चुराती थी, उनके बैंक खातों से पैसे निकालती थी, उनके क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके लग्जरी आइटम और सोना खरीदती थी।

सिंगापुर के होटल में पूर्व बाउंसर की हुई मौत, भारतीय मूल के पांच लोगों को मिली जेल और कोड़े से मारने की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक होटल में पूर्व बाउंसर की मौत के कारण हुए दंगे में शामिल होने के आरोप में भारतीय मूल के पांच लोगों को दो से तीन साल की जेल और बेंत से मारने की सजा सुनाई गई है।

इन लोगों को सुनाई गई सजा- श्रीधरन एलंगोवन को 36 महीने की जेल और बेंत से छह बार मारने की सजा दी गई, मनोज कुमार वेलायनथम को 30 महीने की जेल और चार स्ट्रोक की सज़ा दी गई, शशिकुमार पकिरसामी को 24 महीने की जेल और दो स्ट्रोक की सजा दी गई, पुथेनविला कीथ पीटर को 26 महीने की जेल और तीन स्ट्रोक की सजा सुनाई गई है और राजा ऋषि को 30 महीने की जेल और चार कोड़े मारने की सजा मिली है। चैनल न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन लोगों को 2023 में सिंगापुर के कॉनकॉर्ड होटल और शॉपिंग मॉल में दंगे के आरोप में दोषी ठहराया गया है। 30 वर्षीय श्रीधरन, 32 वर्षीय मनोजकुमार और 34 वर्षीय शशिकुमार एक गुप्त समाज समूह के सदस्य थे।

पूर्व बाउंसर की हुई थी हत्या- 30 वर्षीय असवेन पचन पिल्लई सुकुमारन पर पहले हत्या का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उसने कथित तौर पर 29 वर्षीय पूर्व बाउंसर मोहम्मद इसरत मोहम्मद इस्माइल की हत्या कर दी थी।

25 से 33 साल के बीच के छह अन्य लोगों को अदालत के दस्तावेजों में सह-अभियुक्त के रूप में नामित किया गया था जिन्होंने दंगे में भाग लिया था।

क्या है मामला- बता दें, 19 अगस्त 2023 को कई आरोपियों सहित लगभग 10 लोगों का एक समूह कॉनकॉर्ड होटल और शॉपिंग मॉल में क्लब रूमर्स में शराब पी रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश किया खारिज, 33 साल पुराना है जमीन से जुड़ा ये मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने जमीन के मामले पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, किसी भी जमीन मालिक को अनिश्चित काल तक जमीन के इस्तेमाल से वंचित नहीं रखा जा सकता। जस्टिस जे बी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने बॉम्बे हाई कोर्ट के एक आदेश को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा, जमीन ऑनर को कई सालों तक जमीन के इस्तेमाल से वंचित नहीं रखा जा सकता। एक बार जब किसी जमीन ऑनर पर किसी विशेष तरीके से जमीन का इस्तेमाल न करने का प्रतिबंध लगा दिया जाता है, तो बैन को अनिश्चित काल तक खुला नहीं रखा जा सकता है।

जमीन को नहीं रखा जा सकता आरक्षित- पीठ ने महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 127 का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 33 सालों से विकास योजना में जमीन को आरक्षित रखना कोई मतलब नहीं रखता। न्यायालय ने कहा कि प्राधिकरण ने न केवल जमीन ऑनर को जमीन का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी, बल्कि अब खरीदारों को भी जमीन का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

जमीन मालिक को इस्तेमाल से नहीं कर सकते वंचित - महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर नियोजन अधिनियम, 1966 की धारा 126 के तहत जमीन अधिग्रहण के लिए दस साल की अवधि प्रदान की गई है। महाराष्ट्र अधिनियम 42, 2015 द्वारा संशोधन से पहले भूमि अधिग्रहण के लिए नोटिस देने के लिए जमीन ऑनर को एक अतिरिक्त वर्ष दिया जाता है। ऐसी समय-सीमा पवित्र है और इसका राज्य या राज्य के अधीन प्राधिकारियों द्वारा पालन किया जाना चाहिए।

टॉप न्यायालय एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था जिसमें एक खाली जमीन के ऑनर ने 2.47 हेक्टेयर के विकास के लिए भूमि विकास योजना प्रस्तुत की थी।

केरल में आरोपित ने नशे में निर्मम तरीके से की थी सामूहिक हत्याएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के वेंजारामूडु में 23 वर्षीय अफान द्वारा की गई सामूहिक हत्याएं क्रूर थीं। उसने नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद इस घटनाक्रम को अंजाम दिया। पुलिस ने मंगलवार को सुबूतों के आधार पर ये दावे किए। अफान ने कथित तौर पर हथौड़े से सभी की हत्या की थी।

मृतकों के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं- पुलिस ने बताया, आरोपित के 13 वर्षीय भाई सहित मृतकों के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं। एक अधिकारी ने कहा, नशीली दवाओं के इस्तेमाल के सुबूत मिले हैं। जांच के बाद ही दवा की सही प्रकृति का पता लगाया जा सकता है। अफान ने दावा किया था कि उसने छह लोगों की हत्या की, लेकिन उसकी मां हमले में बच गई और फिलहाल अस्पताल में भर्ती है।

अफान ने बाइक से एक घर से दूसरे घर जाकर हत्याएं कीं- हमले के अन्य पीड़ितों में अफान की 80 वर्षीय दादी, उसकी प्रेमिका बताई जा रही एक युवती, उसके चाचा और चाची शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, अफान ने बाइक से एक घर से दूसरे घर जाकर हत्याएं कीं। राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री जीआर अनिल ने घटना स्थलों में से एक का दौरा करने के बाद कहा कि हत्याएं क्रूर और पूर्व नियोजित प्रतीत होती हैं।

जम्मू कश्मीर- हिमाचल में हिमपात और वर्षा से बदला मौसम, उत्तराखंड में पड़ेंगे ओले

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर,हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मंगलवार को मौसम के मिजाज बदले बदले से रहे। तीनों ही राज्यों के पर्वतीय इलाकों में हिमपात और वर्षा हुई। जनवरी और फरवरी में हुई कम बर्फबारी और वर्षा के बीच इससे कुछ राहत मिली है। अगले तीन से चार दिन तीनों राज्यों में हिमपात और वर्षा जारी रहने का मौसम विभाग का पूर्वानुमान है।

हल्के हिमपात व वर्षा होने की संभावना- कश्मीर में मंगलवार को ऊंचे पर्वतीय इलाकों में हिमपात जबकि मैदानी क्षेत्रों में वर्षा हुई। जम्मू में भी पूरे दिन रुक-रुक कर वर्षा होती रही। इससे दिन का तापमान कई डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। मौसम विभाग के अनुसार मार्च की शुरुआत में भी बादल छाये रहने और हल्के हिमपात व वर्षा होने की संभावना है।

शिमला व कांगड़ा सहित कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई- कुछ स्थानों पर भूस्खलन और हिमस्खलन होने की भी आशंका है। इससे यातायात प्रभावित हो सकता है। हिमाचल प्रदेश के रोहतांग, शिंकुला और बारालाचा दर्रे में मंगलवार को आधा फीट तक हिमपात हुआ। राजधानी शिमला व कांगड़ा सहित कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई।

हर-हर महादेव और बोल बम के नारों से गूंजे शिवालय, महाकुंभ से लेकर काशी और बैद्यनाथ धाम में उमड़ी भक्तों की भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि के उपलक्ष में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। शिवरात्री के मौके पर सुबह से करीब 41 लाख लोग गंगा में डूबकी लगा चुके हैं।

शिवरात्रि के मौके पर देशभर के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। लोग शिव की अराधना में डूब चुके हैं। फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि को अनंत, अगम, अगोचर, अविनाशी आदिदेव भगवान शिव, करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। यही वजह है कि हर वर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महापर्व के रूप में मनाया जाता है।

महाशिवरात्रि पर्व शिव के दिव्य अवतरण का मंगल सूचक पर्व है। भगवान शिव हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर आदि विकारों से मुक्त करके परम सुख शांति और ऐश्वर्य प्रदान करते हैं।

महाशिवरात्रि का व्रत परम मंगलमय और दिव्यतापूर्ण है। यह व्रत चारों पुरुषार्थों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को देने वाला माना गया है। प्रयागराज में महाकुंभ के आखिरी दिन और महाशिवरात्रि के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। आज दो करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है।

आज सुबह से करीब 41.11 लाख लोगों ने गंगा स्नान किया है और महाकुंभ में अभी तक कुल 65 करोड़ लोगों ने गंगा में डूबकी लगाई है।

प्रयागराज महाकुंभ के अलावा काशी में भी महाशिवरात्रि के मौके पर कई तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। इस वजह से काशी में भी लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

12 ज्योतिर्लिंग में से एक देवघर के बैद्यनाथ धाम में भी महाशिवरात्रि पर देश के कोने-कोने से भक्त पूजा करने पहुंचे हैं। मंदिर सुबह तीन बजे ही खोल दिया गया था। सरदार पंडा द्वारा कांचा जल का अर्पण किया गया। फिर 4 बजे से आम श्रद्धालुओं के लिए कपाट खोल दिए गए थे।

KG के बच्चों की तरह लड़ रहे हैं DMK और BJP के नेता, भाषा विवाद में सुपरस्टार विजय की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार और केंद्र की भाजपा की सरकार के बीच हिंदी थोपने का विवाद बढ़ता जा रहा है। इस बीच अभिनेता से राजनेता बने एक्टर विजय ने इस मामले पर अपनी टिप्पणी दी है।

विजय ने दोनों पार्टियों की कड़ी आलोचना की और दोनों पार्टियों के बीच चल रहे विवाद को केजी (किंडरगार्टन) के बच्चों की तरह लड़ना बताया है। तमिलगा वेत्री कझगम के चीफ विजय की इस टिप्पणी पर डीएमके की ओर से बयान दिया गया है। डीएमके ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि विजय भ्रम पैदा कर रहे हैं और वो भाजपा से डरते हैं।

एक्टर विजय को अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में लोग एक छुपे हुए दावेदार के रूप में देख रहे हैं। विजय ने डीएमके और भाजपा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति और तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर टकराव का मंचन करने का आरोप लगाकर अपने अभियान की शुरुआत की है।

एक गाती है और दूसरी पार्टी नाचती है- अभिनेता ने 2026 के चुनाव से पहले अपनी पार्टी के उदय पर जोर देते हुए कहा, भाजपा और डीएमके दोनों एक सुर में हैं...एक (पार्टी) गाती है जबकि दूसरी नाचती है, आम लोगों की चिंताओं को अनसुना किया जा रहा है।

विजय ने तीन-भाषा नीति को लेकर अपने विरोध को रेखांकित करते हुए कहा, जिसके बारे में द्रमुक ने दावा किया है कि यह तमिल छात्रों को हिंदी सीखने के लिए मजबूर करेगा, यह सहकारी संघवाद की भावना और मौजूदा दो-भाषा नीति के खिलाफ होने की बड़ी राज्य पार्टी की लाइन को दोहराता है।

चेन्नई के पास पार्टी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए विजय ने उन रिपोर्टों को लेकर भी केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने धमकी दी थी कि अगर तमिलनाडु सरकार एनईपी को पूरी तरह से स्वीकार नहीं करती है, जिसमें तीन भाषाओं का प्रस्ताव भी शामिल है।

नहीं थम रहा बस कंडक्टर मारपीट विवाद, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री ने कहा- अब लेंगे एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक-महाराष्ट्र के बीच बस विवाद जोर पकड़ रहा है। इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी जारी है। साथ ही दोनों राज्यों के बीच इस वक्त बस सेवाएं ठप पड़ी हैं। ये राज्य एक दूसरे के स्टेट में बस सेवाएं नहीं भेज रहे हैं। वहीं महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री ने प्रताप सरनाईक राज्य परिवहन निगम में मार्शल तैनात करने की बात कही है।

परिवहन मंत्री ने कहा है, मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखना चाहिए। महाराष्ट्र को अपने आप पर गर्व है। अगर पड़ोसी राज्य के लोग हमारे लोगों को धमकाते हैं तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने आगे कहा- इस मुद्दे पर राज्य कैबिनेट की बैठक में भी चर्चा की जाएगी। दोनों राज्यों के बीच बस सेवा टर्मिनेट होने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। परिवहन विभाग के अधिकारी कर्नाटक के अधिकारियों से बात कर रहे हैं। वहीं महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने इस मामले में कहा बस यात्रियों को सुरक्षा देना कर्नाटक सरकार की भी जिम्मेदारी है। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं, तो महाराष्ट्र सरकार सुरक्षा देगी।

वहीं, कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा- कंडक्टर पर हमला करने वालों के खिलाफ गुंडा एक्ट में कार्रवाई होगी। कंडक्टर के खिलाफ [illegible] मामले में दर्ज केस वापस लेने के लिए गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर से चर्चा करेंगे।

पीड़िता के परिवार के लोगों ने एक वीडियो साझा कर उन्होंने मामला वापस लेने का फैसला किया है। इसके साथ उन्होंने इस मामले को बढ़ाना बंद करने का अनुरोध किया है जो कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच भाषा का मुद्दा बन गया है

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

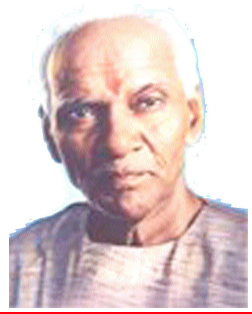

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन चतुर्थदशी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर एक ज़माना था जब लिंग भेद अपनी चरम सीमा पर था

वैश्विक स्तरपर एक ज़माना था जब लिंग भेद अपनी चरम सीमा पर था और दुनियां के अनेक देशों में लिंग चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन तेजी से बढ़ा था जिसके कारण लिंग अनुपात में तेजी से डिफरेंस बढ़ता चला गया,इस बीच दुनियां की सरकारें जागी और अनेक ऐसे कार्यक्रम, कानून नियम विनियम,व्यवस्थाएं जन जागरण अभियान चलाए गए जिससे इस कुप्रथा पर नकेल कस्ती चली गई,जो कुछ हद तक इस प्रथा पर नियंत्रण रखनेमें सरकारें कामयाब रही,परंतु फिर भी लिंग भेद की यह प्रथा वैश्विक स्तरपर पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है बल्कि चालू है, पर नियंत्रण में है। इसी क्रम एक दौर भारत में भी एक था,1994 से पहले का जब लिंग चयनात्मक गर्भपात अति तेजी के साथ हुआ था और अधिकतम लोग इस तर्ज पर बेटियों का गर्भ नष्ट कर देते थे, जिसमें स्त्री पुरुष अनुपात में भारी डिफरेंस हो गया इसके पश्चात सरकारें जागी व लिंग चयन प्रतिरोध अधिनियम 1994 बनाया जो 1 जनवरी 1996 को प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (विनियमन व दुरुपयोग निवारण) अधिनियम 1994 लागू किया गया जिसमें 14 फरवरी 2003 को संशोधन कर अधिनियम का नाम गर्भधारण पूर्व और प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिरोध) अधिनियम 1994 रखा गया।बता दें मेरा मानना है कि इस अधिनियम को लाने में देर हो गई थी जिसका परिणाम हम आज हर समाज व धर्म में भुगत रहे हैं क्योंकि,आज 1990 की उम्र के अनेक लड़के अनेक समाजों में हमारे बैठे हैं उस अनुपात में लड़कियां नहीं मिल रही है, क्योंकि आज लड़की वाले एज डिफरेंस की स्थिति को भी देख रहे हैं, इसलिए जो हमने 80- 90 के दशक में स्पीड से लिंग चयनात्मक गर्भपात किए थे उसके परिणाम आज उस उम्र के अनुपात में लड़कियों के नहीं मिलने से हो रहा है, जो मैंने प्रत्यक्ष रूप से इसका सटीक उदाहरण अनेक समाजों में देखा हूं। इसलिए ही भारत में भी राष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता है।और 22 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता हैं अब हंस्ती है बेटियां तो मोती झड़ते हैं,चलती है लहराके तो फूल खिलते हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,विश्व में लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग है, व बेटे को प्राथमिकता देने की परंपराओं को समाप्त कर सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देना है।

साथियों बात अगर करीब करीब अनेकों समाजों की करें तो जहाँ छोटी लड़कियों को अभी भी बोझ और लड़कों की तुलना में कम मूल्यवान माना जाता है।आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के कारण बेटे को प्राथमिकता देना सदियों पुराना विचार है, फिर भी यह आज भी एक वास्तविकता है।भारत और चीन में लिंग-चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन है,लेकिन इसे एशिया मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और अन्य जगहों पर भी दर्ज किया गया है।

इस उत्सव का उद्देश्य लड़कियों से जुड़े कलंक को पहचानना, बेटे को प्राथमिकता देने वाली परंपराओं को खत्म करना और सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देना है।डॉटर्स डे दुनियां भर में माता पिता और उनकी बेटियों के बीच अनोखे रिश्ते का सम्मान करने के लिए मनाया जाने वाला एक खास अवसर है।भारत में,परिवार और समाज में बेटियों के प्यार, सम्मान और महत्व को उजागर करता है। साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति सहानुभूति पूर्वक और उत्साह से जनजागरण के 5 कारणों की करें तो (1) बेटियाँ परिवारों को पोषित करने और मजबूत भावनात्मक बंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

चंद्रशेखर आज़ाद

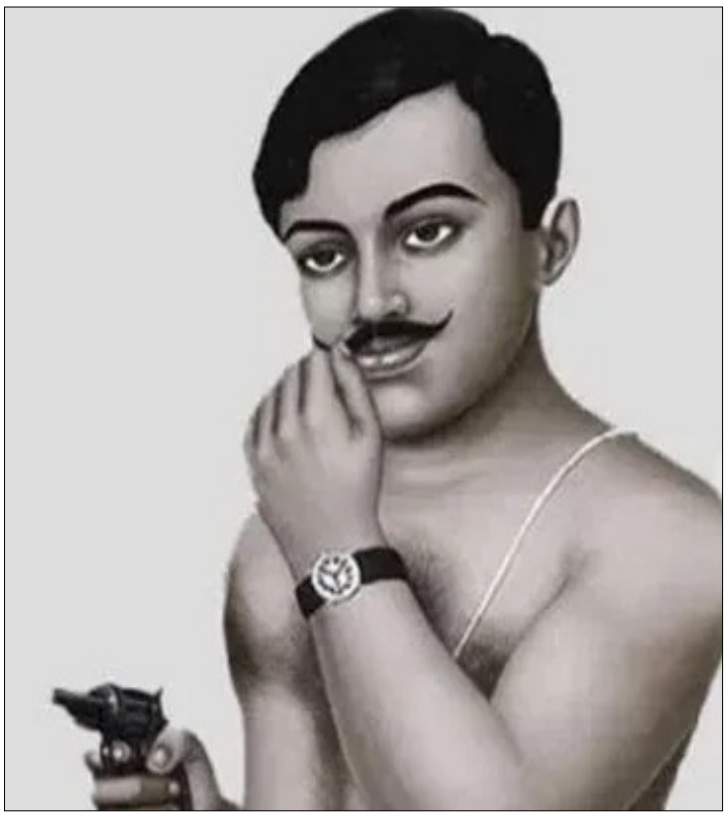

पंडित चंद्रशेखर आज़ाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रसिद्ध क्रांतिकारी थे। 17 वर्ष के चंद्रशेखर आज़ाद क्रांतिकारी दल 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' में सम्मिलित हो गए। दल में उनका नाम 'क्विक सिल्वर' (पारा) तय पाया गया। पार्टी की ओर से धन एकत्र करने के लिए जितने भी कार्य हुए, चंद्रशेखर उन सबमें आगे रहे। सांडर्स वध, सेण्ट्रल असेम्बली में भगत सिंह द्वारा बम फेंकना, वाइसराय को ट्रेन बम से उड़ाने की चेष्टा, सबके नेता वही थे। इससे पूर्व उन्होंने प्रसिद्ध 'काकोरी कांड' में सक्रिय भाग लिया और पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गए। एक बार दल के लिये धन प्राप्त करने के उद्देश्य से वे गाजीपुर के एक महंत के शिष्य भी बने। इरादा था कि महंत के मरने के बाद मरु की सारी संपत्ति दल को दे देंगे।

जीवन परिचय- पंडित चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म एक आदिवासी ग्राम भावरा में 23 जुलाई, 1906 को हुआ था। उनके पिता पंडित सीताराम तिवारी उत्तर प्रदेश के उन्नाव ज़िले के बदर गाँव के रहने वाले थे। भीषण अकाल पड़ने के कारण वे अपने एक रिश्तेदार का सहारा लेकर अलीराजपुर रियासत के ग्राम भावरा में जा बसे थे। इस समय भावरा मध्य प्रदेश के झाबुआ ज़िले का एक गाँव है। चन्द्रशेखर जब बड़े हुए तो वह अपने माताङ्कपिता को छोड़कर भाग गये और बनारस जा पहुँचे। उनके फूफा जी पंडित शिवविनायक मिश्र बनारस में ही रहते थे। कुछ उनका सहारा लिया और कुछ खुद भी जुगाड़ बिठाया तथा संस्कृत विद्यापीठ में भर्ती होकर संस्कृत का अध्ययन करने लगे। उन दिनों बनारस में असहयोग आंदोलन की लहर चल रही थी। विदेशी माल न बेचा जाए, इसके लिए लोग दुकानों के सामने लेटकर धरना देते थे। 1919 में हुए जलियाँवाला बाग़ नरसंहार ने उन्हें काफ़ी व्यथित किया।

बचपन का दृढ़निश्चय- एक आदिवासी ग्राम भावरा के अधनंगे आदिवासी बालक मिलकर दीपावली की खुशियाँ मना रहे थे। किसी बालक के पास फुलझड़ियाँ थीं, किसी के पास पटाखे थे और किसी के पास मेहताब की माचिस। बालक चन्द्रशेखर के पास इनमें से कुछ भी नहीं था। वह खड़ाङ्कखड़ा अपने साथियों को खुशियाँ मनाते हुए देख रहा था। जिस बालक के पास मेहताब की माचिस थी, वह उसमें से एक तीली निकालता और उसके छोर को पकड़कर डरतेङ्कडरते उसे माचिस से रगड़ता और जब रंगीन रौशनी निकलती तो डरकर उस तीली को ज़मीन पर फेंक देता था।

बालक चन्द्रशेखर से यह देखा नहीं गया, वह बोले- तुम डर के मारे एक तीली जलाकर भी अपने हाथ में पकड़े नहीं रह सकते। मैं सारी तीलियाँ एक साथ जलाकर उन्हें हाथ में पकड़े रह सकता हूँ।

जिस बालक के पास मेहताब की माचिस थी, उसने वह चन्द्रशेखर के हाथ में दे दी और कहा- जो कुछ भी कहा है, वह करके दिखाओ तब जानूँ।

बालक चन्द्रशेखर ने माचिस की सारी तीलियाँ निकालकर अपने हाथ में ले लीं। वे तीलियाँ उल्टी- सीधी रखी हुई थीं, अर्थात् कुछ तीलियों का रोगन चन्द्रशेखर की हथेली की तरफ़ भी था। उसने तीलियों की गड्डी माचिस से रगड़ दी। भक्क करके सारी तीलियाँ जल उठीं। जिन तीलियों का रोगन चन्द्रशेखर की हथेली की ओर था, वे भी जलकर चन्द्रशेखर की हथेली को जलाने लगीं। असह्य जलन होने पर भी चन्द्रशेखर ने तीलियों को उस समय तक नहीं छोड़ा, जब तक की उनकी रंगीन रौशनी समाप्त नहीं हो गई।

जब उन्होंने तीलियाँ फेंक दीं तो साथियों से बोले- देखो हथेली जल जाने पर भी मैंने तीलियाँ नहीं छोड़ीं।

उनके साथियों ने देखा कि चन्द्रशेखर की हथेली काफ़ी जल गई थी और बड़ेङ्कबड़े फफोले उठ आए थे। कुछ लड़के दौड़ते हुए उनकी माँ के पास घटना की ख़बर देने के लिए जा पहुँचे। उनकी माँ घर के अन्दर कुछ काम कर रही थीं। चन्द्रशेखर के पिता पंडित सीताराम तिवारी बाहर के कमरे में थे। उन्होंने बालकों से घटना का ब्योरा सुना और वे घटनास्थल की ओर लपके। बालक चन्द्रशेखर ने अपने पिताजी को आते हुए देखा तो वह जंगल की तरफ़ भाग गये। सोचा कि पिताजी अब उनकी पिटाई करेंगे। तीन दिन तक वह जंगल में ही रहे। एक दिन खोजती हुई उनकी माँ उन्हें घर ले आईं। उन्होंने यह आश्वासन दिया था कि तेरे पिताजी तेरे से कुछ भी नहीं कहेंगे।

आज़ाद- 1921 में जब महात्मा गाँधी के असहयोग आन्दोलन प्रारंभ किया तो उन्होंने उसमे सक्रिय योगदान किया। चन्द्रशेखर भी एक दिन धरना देते हुए पकड़े गये। उन्हें पारसी मजिस्ट्रेट मि. खरेघाट के अदालत में पेश किया गया। मि. खरेघाट बहुत कड़ी सजाएँ देते थे। उन्होंने बालक चन्द्रशेखर से उसकी व्यक्तिगत जानकारियों के बारे में पूछना शुरू किया -

तुम्हारा नाम क्या है?
मेरा नाम आज़ाद है।
तुम्हारे पिता का क्या नाम है?
मेरे पिता का नाम स्वाधीन है।
तुम्हारा घर कहाँ पर है?
मेरा घर जेलखाना है।

मजिस्ट्रेट मि. खरेघाट इन उत्तरों से चिढ़ गए। उन्होंने चन्द्रशेखर को पन्द्रह बेंतों की सज़ा सुना दी। उस समय चन्द्रशेखर की उम्र केवल चौदह वर्ष की थी। जल्लाद ने अपनी पूरी शक्ति के साथ बालक चन्द्रशेखर की निर्वसन देह पर बेंतों के प्रहार किए। प्रत्येक बेंत के साथ कुछ खाल उधड़कर बाहर आ जाती थी। पीड़ा सहन कर लेने का अभ्यास चन्द्रशेखर को बचपन से ही था। वह हर बेंत के साथ महात्मा गांधी की जय या भारत माता की जय बोलते जाते था। जब पूरे बेंत लगाए जा चुके तो जेल के नियमानुसार जेलर ने उसकी हथेली पर तीन आने पैसे रख दिए। बालक चन्द्रशेखर ने वे पैसे जेलर के मुँह पर दे मारे और भागकर जेल के बाहर हो गया। इस पहली अग्नि परीक्षा में सम्मानरहित उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप बालक चन्द्रशेखर का बनारस के ज्ञानवापी मोहल्ले में नागरिक अभिनन्दन किया गया। अब वह चन्द्रशेखर आज़ाद कहलाने लगा। बालक चन्द्रशेखर आज़ाद का मन अब देश को आज़ाद कराने के अहिंसात्मक उपायों से हटकर सशस्त्र क्रान्ति की ओर मुड़ गया। उस समय बनारस क्रान्तिकारियों का गढ़ था। वह मन्मथनाथ गुप्त और प्रणवेश चटर्जी के सम्पर्क में आये और क्रान्तिकारी दल के सदस्य बन गये। क्रान्तिकारियों का वह दल हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के नाम से जाना जाता था।

काकोरी काण्ड- किसी बड़े अभियान में चन्द्रशेखर आज़ाद सबसे पहले काकोरी डकैती में सम्मिलित हुए। इस अभियान के नेता रामप्रसाद बिस्मिल थे। उस समय चन्द्रशेखर आज़ाद की आयु कम थी और उनका स्वभाव भी बहुत चंचल था। इसलिए रामप्रसाद बिस्मिल उसे क्विक सिल्वर (पारा) कहकर पुकारते थे। 9 अगस्त, 1925 को क्रान्तिकारियों ने लखनऊ के निकट काकोरी नामक स्थान पर सहारनपुर - लखनऊ सवारी गाड़ी को रोककर उसमें रखा अंगेज़ी ख़ज़ाना लूट लिया। बाद में एकङ्कएक करके सभी क्रान्तिकारी पकड़े गए; पर चन्द्रशेखर आज़ाद कभी भी पुलिस के हाथ में नहीं आए। यद्यपि वे झाँसी में पुलिस थाने पर जाकर पुलिस वालों से गपशप लड़ाते थे, पर पुलिस वालों को कभी भी उन पर संदेह नहीं हुआ कि वह व्यक्ति महान् क्रान्तिकारी चन्द्रशेखर आज़ाद हो सकता है। काकोरी कांड के बाद उन्होंने दल का नये सिरे से संगठन किया। अब उसका नाम 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन एण्ड आर्मी' रखा गया। चंद्रशेखर इस नये दल के कमांडर थे। वे घूम-घूम कर गुप्त रूप से दल का कार्य बढ़ाते रहे। फरारी के दिनों में झाँसी के पास एक नदी के किनारे साधु के रूप में भी उन्होंने कुछ समय बिताया।

झांसी प्रवास- काकोरी काण्ड के कई क्रान्तिकारियों को फाँसी के दंड और कई को लम्बेङ्कलम्बे कारावास की सज़ाएँ मिलीं। चन्द्रशेखर आज़ाद ने खिसककर झाँसी में अपना अड्डा जमा लिया। झाँसी में चन्द्रशेखर आज़ाद को एक क्रान्तिकारी साथी मास्टर रुद्रनारायण सिंह का अच्छा संरक्षण मिला। झाँसी में ही सदाशिव राव मलकापुरकर, भगवानदास माहौर और विश्वनाथ वैशंपायन के रूप में उन्हें अच्छे साथी मिल गए। झाँसी की बुंदेलखण्ड मोटर कम्पनी में कुछ दिन उन्होंने मोटर मैकेनिक के रूप में काम किया, मोटर चलाना सीखा और पुलिस अधीक्षक की कार चलाकर उनसे मोटर चलाने का लाइसेंस भी ले आए। बुंदेलखण्ड मोटर कम्पनी के एक ड्राइवर रामानन्द ने चन्द्रशेखर आज़ाद के रहने के लिए अपने ही मोहल्ले में एक कोठरी किराए पर दिला दी।

पेटीएम की सरकार के साथ हुई डील, क्या शेयरों में दिखेगी हलचल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने Paytm के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत कंपनी स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, इन्फ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, बाजार तक पहुंच और फंडिंग के अवसर प्रदान करेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने Paytm के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मकसद देश में विनिर्माण और फिनटेक स्टार्टअप्स के नवाचार को बढ़ावा देना और उनके विकास में तेजी लाना है। इस MoU पर DPIIT के निदेशक सुमीत कुमार जरंगल और Paytm के फाउंडर एवं सीईओ विजय शेखर शर्मा ने हस्ताक्षर किए।

साझेदारी पर क्या बोले पेटीएम और सरकार- मंत्रालय ने कहा, इस साझेदारी के तहत, Paytm स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, इन्फ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट, बाजार पहुंच और फंडिंग के मौके देगा। जिससे वे अपने व्यवसाय को तेजी से बढ़ा सकें और इनोवेशन कर सकें। यह पहल उद्यमियों को जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने में मदद करेगी। इससे वे अत्याधुनिक भुगतान और वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधान विकसित कर सकें। वे Paytm के बड़े व्यापारी नेटवर्क का लाभ भी उठा सकेंगे। DPIIT के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा, "Paytm की फिनटेक विशेषज्ञता और इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ उठाकर, हम उद्यमियों को चुनौतियों से उबरने और अपने वेंचर को बढ़ाने में सहायता करने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, Paytm के संस्थापक एवं सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा, "Paytm उद्यमियों को मेंटरशिप, वित्तीय सहायता और अत्याधुनिक तकनीक तक पहुंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी फिनटेक हार्डवेयर निर्माताओं को समर्थन देने के लिए डेडिकेटेड प्रोग्राम शुरू करेगी। ये पहल मेंटरशिप कार्यक्रम, निवेशकों के साथ फंडिंग के अवसर, नियामक मार्गदर्शन, इंडस्ट्री-फोकस्ड वर्कशॉप और प्रभाव आकलन शामिल करेंगी। DPIIT इससे पहले Apna (प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म), Rukam Capital, Avaana Capital, Bhaane Group, Flipkart और ITC जैसी कई कंपनियों के साथ इसी तरह के समझौते कर चुका है।

सप्ताह में 70-90 घंटे काम को इस सीईओ ने कर दिया खारिज, बताया कितने होने चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैपजेमिनी इंडिया के सीईओ अश्विन यार्डी ने भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के घंटों पर बहस में शामिल होते हुए 70-90 घंटे के कार्य सप्ताह के विचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया है। भारत में सप्ताह में 47.5 घंटे काम करने की वकालत करते हुए, कैपजेमिनी सीईओ ने कहा कि वह वीकेंड पर कर्मचारियों को ईमेल भेजने के खिलाफ हैं। वह मुंबई में नैसकॉम टेक्नोलॉजी एंड लीडरशिप फोरम में बोल रहे थे।

लाइव मिंट की खबर के मुताबिक जब उनसे पूछा गया कि भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के आदर्श घंटे क्या होने चाहिए, तो अश्विन यार्डी ने कहा, साढ़े सैंतालीस घंटे। हमारे पास एक दिन में नौ घंटे और सप्ताह में पांच दिन होते हैं।

उन्होंने आगे कहा, पिछले चार सालों से मेरा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि वीकेंड पर ईमेल न भेजें, भले ही कोई जरूरी मामला हो, जब तक कि आप उसे वीकेंड पर हल कर सकें। अश्विन यार्डी ने यह भी माना कि कभी-कभी वह वीकेंड पर काम करते हैं, लेकिन वह कर्मचारियों को ईमेल भेजने से बचते हैं, क्योंकि सिर्फ कर्मचारियों को परेशान करने का कोई मतलब नहीं है, जब यह पता हो कि काम वीकेंड पर नहीं हो सकता।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी, 3 साल के लिए बढ़ गया यह पैकेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, केंद्र सरकार ने कश्मीर घाटी में कार्यरत अपने कर्मचारियों के लिए रियायत और प्रोत्साहन पैकेज को तीन साल के लिए बढ़ा दिया है। घाटी में 10 जिले - अनंतनाग, बारामूला, बडगाम, कुपवाड़ा, पुलवामा, श्रीनगर, कुलगाम, शोपियां, गांदरबल और बांदीपोरा शामिल हैं।

कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा कश्मीर घाटी में कार्यरत केंद्र सरकार के कर्मचारियों को रियायतें/प्रोत्साहनों के पैकेज को एक अगस्त 2024 से तीन साल की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसमें कहा गया है कि प्रोत्साहन पैकेज भारत सरकार के तहत सभी मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर समान रूप से लागू है और उन्हें पैकेज में निर्धारित दरों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना चाहिए।

आदेश में कहा गया है कि घाटी में तैनात कर्मचारियों के पास अपने परिवारों को सरकारी खर्च पर भारत में अपनी पसंद के किसी चयनित स्थान पर ले जाने का विकल्प है। वहीं परिवारों के लिए टीए यानी परिवहन भत्ता पिछले महीने के मूल वेतन के 80 प्रतिशत की दर से दिया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि जो कर्मचारी अपने परिवार को निवास के चयनित स्थान पर नहीं ले जाना चाहते हैं, उन्हें कार्यालय आने-जाने आदि में किसी भी अतिरिक्त खर्च की भरपाई के लिए उपस्थिति के प्रत्येक दिन के लिए 141 रुपये प्रति दिन का भत्ता दिया जाता है।

आदेश में कहा गया है कि घाटी के वे पेंशनभोगी जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों या वेतन एवं लेखा कार्यालय या कोषागारों के माध्यम से अपनी मासिक पेंशन प्राप्त करने में असमर्थ हैं, उन्हें प्रासंगिक प्रावधानों में छूट देते हुए घाटी के बाहर पेंशन दी जाएगी जहां वे बसे हैं।

1 महीने से रॉकेट बने हुए हैं ये शेयर, निवेशकों को तगड़ा रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बाजारों में पिछले कई सत्रों से लगातार गिरावट देखी जा रही है। हालांकि, मंगलवार को इसमें कुछ सुधार हुआ था। बावजूद कई शेयर अभी अपने लाइफ टाइम लो पर चल रहे हैं। इस बीच, कुछ शेयर ऐसे भी हैं जिसनें क्रैश मार्केट में भी तगड़ा रिटर्न दिए हैं। आज हम आपको ऐसे ही कुछ शेयर के बारे में बता रहे हैं, जिसने मंदी में भी महीनेभर से शानदार रिटर्न दिया है।

गॉडफ्रे फिलिप्स- गॉडफ्रे फिलिप्स का शेयर एक महीने में 30.42 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। मंगलवार को स्टॉक 5,667.75 पर बंद हुआ था।

गोदरेज इंडस्ट्रीज- पिछले एक महीने में गोदरेज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 33.33 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। 25 फरवरी को गोदरेज का शेयर 1,119 पर बंद हुआ था।

आरती फार्मालैब्स

आरती फार्मालैब्स का स्टॉक एक महीने में 29.29 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। मंगलवार के सत्र में शेयर की कीमत 771.95 पर बंद हुई थी।

कैस्ट्रोल इंडिया- कैस्ट्रोल इंडिया के शेयर की कीमत एक महीने में 28.19 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। स्टॉक मंगलवार के सत्र में 217.33 पर समाप्त हुआ था।

स्टारबक्स से 1100 कर्मचारियों की छंटनी, कंपनी ने क्यों उठाया ये कदम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉफी चेन कंपनी स्टारबक्स ने वैश्विक स्तर पर 1,100 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी की है। इसके सीईओ ने कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा कि कॉफी की दिग्गज कंपनी 1,100 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को बर्खास्त कर रही है, जो बिक्री में गिरावट के बीच कॉफी चेन की पुनर्गठन की दिशा में उठाया गया नया कदम है। कंपनी के नए चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल ने परिचालन को ठीक करने के लिए यह कदम उठाया है।

क्यों उठाया ये कदम- स्टारबक्स के सीईओ ब्रायन निकोल ने उन ग्राहकों को वापस लाने का संकल्प लिया है, जो 8 डॉलर के लैटे और लंबे इंतजार के समय से मना नहीं करते हैं। इससे हाल के महीनों में बिक्री पर भी दबाव पड़ा है। Starbucks CEO ने कंपनी के लिए रिस्ट्रक्चरिंग प्लान के तहत इस Lay Off का एलान किया है।

स्टारबक्स की छंटनी के बारे में दस बातें- स्टारबक्स ने एलान किया कि वह 1,100 कॉर्पोरेट कर्मचारियों को नौकरी से निकालने और कई सौ खाली या रिक्त पदों को बंद करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यह छंटनी कंपनी के इतिहास में सबसे बड़ी है।

सीईओ ब्रायन निकोल ने कर्मचारियों को लिखे पत्र में कहा, हमारा इरादा अधिक कुशलता से काम करना, जवाबदेही बढ़ाना, जटिलता कम करना और बेहतर एकीकरण करना है।

स्टारबक्स के दुनिया भर में 16 हजार कर्मचारी हैं। कंपनी के कुछ कर्मचारी छंटनी से प्रभावित नहीं होंगे। इसमें रोस्टिंग, वेयरहाउस, कंपनी के स्टोर्स में काम करने वाले बैरिस्टा कर्मचारी शामिल हैं।

जनवरी में निकोल ने कहा था कि मार्च की शुरुआत में छंटनी की घोषणा की जाएगी। सभी कामों की देखरेख किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा की जानी चाहिए जो निर्णय ले सके। हमारा आकार और संरचना हमें धीमा कर सकती है।

यह कदम निकोल द्वारा ग्राहकों के लिए स्टोर के अनुभव पर पुनर्विचार करने और व्यवसाय को सुव्यवस्थित करने के प्रयासों के बीच उठाया गया है, जो कि स्टारबक्स के लिए मूल रूप से जाना जाने वाला अधिक व्यक्तिगत कॉफीहाउस वातावरण वापस लाने की उनकी प्रतिज्ञा का हिस्सा है।

स्टारबक्स ने पिछले साल सुस्त बिक्री को सुधारने के लिए निकोल को सीईओ नियुक्त किया था। उन्होंने कहा है कि वे सेवा समय में सुधार करना चाहते हैं

टूटकर करीब आधा हो गया टाटा का यह शेयर, निवेशकों के 2 लाख करोड़ स्वाहा, अब आगे क्या?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स के शेयरों का इस साल अब तक बेहद खराब परफॉर्मेंस रहा है। कंपनी के शेयर सबसे खराब परफॉर्मेंस करने वाले निफ्टी 50 स्टॉक के रूप में उभरा है, इसके शेयर जुलाई 2024 में 1,179 रुपये के अपने उच्चतम स्तर से 44त्न गिरकर वर्तमान में 661.75 रुपये पर आ गए हैं। इससे कंपनी के मार्केट कैप में 1.9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। शेयरों में यह गिरावट चीन और ब्रिटेन जैसे प्रमुख बाजारों में जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की कमजोर मांग के साथ-साथ यूरोपीय निर्मित कारों पर संभावित अमेरिकी आयात शुल्क पर चिंताओं के कारण है।

प्रमुख बाजारों में जेएलआर की कमजोर मांग और एम एंड एचसीवी और ईवी सेगमेंट में घरेलू बिक्री संबंधी चिंताओं के कारण टाटा मोटर्स के शेयरों में 44त्न की गिरावट आई है। हालांकि, कंपनी को अल्पकालिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन एनालिस्ट में 930-935 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ सुधार की संभावना दिख रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पांच हजार में बैंक खाते खरीदकर 6 गुना दाम में ठगों को बेचा, 13 खातों में 8 करोड़ से अधिक का लेनदेन

भोपाल। साइबर ठगों को बैंक खाते बेचने वाले एक गिरोह को भोपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरोह का सरगना पांच-पांच हजार रुपये का लालच देकर लोगों से बैंक खाते खुलवाकर उन्हें खरीदता था। फिर उन खातों को 30-30 हजार रुपये में बिहार के बेतिया में बैठे साइबर ठगों को बेच देता था।

जानकारी के अनुसार 21 वर्षीय तरुण राय हबीबगंज क्षेत्र की श्यामनगर मल्टी में परिवार के साथ रहता है। छह महीने पहले वह टेलीग्राम के जरिए साइबर ठगों के संपर्क में आया था। ठगों ने उससे बैंक खाते खरीदकर उन्हें उपलब्ध कराने के बदले मोटी रकम का प्रस्ताव दिया, जिसके बाद तरुण ने अपने परिचितों से बैंक खाते खुलवाने की पेशकश की और उन्हें पांच हजार रुपये का झांसा भी दिया।इस तरह कई लोगों ने लगातार उससे संपर्क किया और खाते बेचे। ये खाते बिहार के बेतिया में बेचे गए। पिछले दिनों दिल्ली में हुई

साइबर ठगी के रुपयों का लेनदेन इस खातों में हुआ। दिल्ली पुलिस की सूचना पर भोपाल पुलिस ने इन खातों की पड़ताल शुरू की तो तरुण राय और उसके साथी पकड़ में आ गए।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस ने मुख्य आरोपी तरुण राय उसके साथी अजय राय और करण वाल्मिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को अब तक 13 बैंक खातों की जानकारी मिली है, जिसमें करीब आठ करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन मिला है।

पुलिस का कहना है कि यह गिरोह और बड़ा हो सकता है। उसके अन्य सहयोगियों और इनके खरीदे-बेचे गए खातों का ब्यौरा तलाशा जा रहा है। आशंका है कि इस गिरोह में बड़ी संख्या में ऐसे म्यूल खाते साइबर ठगों को उपलब्ध कराए हैं। इसके साथ ही पुलिस बिहार के साइबर ठगों पर शिकंजा कसने के तकनीकी और कानूनी रास्तों की भी तलाश कर रही है।

म्यूल खातों में भी मोबाइल नंबर ठगों का

इस गिरोह से पूछताछ में ठगों का एक नया तरीका सामने आया है। आरोपित तरुण राय ने पुलिस को बताया है कि भोपाल के लोगों को झांसे में लेकर वह जो बैंक खाते खुलवा रहा था, उसमें मोबाइल नंबर बिहार के ठगों का ही डाला जाता। ऐसा इसलिए कि आनलाइन ट्रांजेक्शन में किसी तरह की परेशानी न आए।

पासबुक, एटीएम पहुंचाने कई बार बेतिया भी गया

भोपाल में पकड़ा गया तरुण राय बिहार के साइबर ठगों का भरोसेमंद बना हुआ था। वह भोपाल के लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर खाते की पूरी किट, जिसमें एटीएम, पासबुक और चैकबुक होते थे साइबर ठगों तक पहुंचाता था। इसके लिए वह ट्रेन से बिहार के बेतिया का कई बार सफर कर चुका था।

मध्य प्रदेश में मांगों की पूर्ति के लिए कर्मचारी करेंगे मंत्रालय में सुंदरकांड का पाठ

भोपाल। पदोन्नति और चौथा समयमान वेतनमान देने और केंद्रीय कर्मचारियों की तरह 25 वर्ष की सेवा पूरी होने पर पूरी पेंशन की पात्रता की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे मंत्रालय के कर्मचारी अब सुंदरकांड का पाठ करेंगे। मंत्रालयीन अधिकारी कर्मचारी संघ ने चार मार्च को सुंदरकांड का पाठ और प्रसादी वितरण का कार्यक्रम मंत्रालय स्थित मंदिर प्रांगण में तय किया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले कर्मचारियों ने पदोन्नति के पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने जाने की तैयारी को लेकर मंत्रालय में नारेबाजी करके विरोध दर्ज कराया था।

मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि छोटे-छोटे कार्यालयों के कर्मचारियों को चौथा समयमान दिया जा चुका है।

लेकिन मंत्रालय के कर्मचारी इससे वंचित हैं। जबकि, सामान्य प्रशासन विभाग के दिशानिर्देश सभी विभागों में लागू होते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले कर्मचारियों ने पदोन्नति के पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने जाने की तैयारी को लेकर मंत्रालय में नारेबाजी करके विरोध दर्ज कराया था।

मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं।संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि छोटे-छोटे कार्यालयों के कर्मचारियों को चौथा समयमान दिया जा चुका है।

लेकिन मंत्रालय के कर्मचारी इससे वंचित हैं। जबकि, सामान्य प्रशासन विभाग के दिशानिर्देश सभी विभागों में लागू होते हैं।उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले कर्मचारियों ने पदोन्नति के पदों को सीधी भर्ती के माध्यम से भरने जाने की तैयारी को लेकर मंत्रालय में नारेबाजी करके विरोध दर्ज कराया था।मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि छोटे-छोटे कार्यालयों के कर्मचारियों को चौथा समयमान दिया जा चुका है। लेकिन मंत्रालय के कर्मचारी इससे वंचित हैं। जबकि, सामान्य प्रशासन विभाग के दिशानिर्देश सभी विभागों में लागू होते हैं।

समर्थन मूल्य पर 80 लाख टन गेहूं खरीदेगी प्रदेश सरकार, तीन लाख किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 80 लाख टन गेहूं खरीदा जाएगा। केंद्र सरकार ने प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य 2,425 रुपये निर्धारित किया है लेकिन मोहन सरकार 2,600 रुपये के हिसाब से भुगतान करेगी। उपार्जन की शुरूआत एक मार्च को इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग से होगी। बाकी संभागों में 17 मार्च से पांच मई 2025 तक गेहूं उपार्जन केंद्रों पर लिया जाएगा। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए अभी तक लगभग तीन लाख किसान पंजीयन करा चुके हैं।भुगतान के लिए उत्तर प्रदेश का माडल लागू करने की तैयारी है, जिसमें उपज विक्रय के 48 घंटे के भीतर भुगतान किया जाता है।

मध्य प्रदेश देश के उन प्रमुख राज्यों में शामिल है, जहां न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से उपज खरीदी जाती है।

केंद्र सरकार के लिए विकेंद्रीकृत प्रणाली के अंतर्गत राज्य नागरिक आपूर्ति निगम और राज्य सहकारी विपणन संघ उपार्जन का का काम करते हैं। लगभग चार हजार केंद्रों पर उपार्जन होगा।

खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग ने इसकी तैयारी प्रारंभ कर दी है। उपार्जन पोर्टल पर किसानों का पंजीयन किया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस बार 80 लाख टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य रखा है। इसके हिसाब से बोरे सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं।

बिजली चोरी की सूचना देने पर आउटसोर्स कर्मचारियों को भी मिलेगा पुरस्कार

भोपाल। अब बिजली कंपनी में पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारियों को भी पारितोषिक योजना का लाभ मिलेगा। दरअसल कंपनी ने अपने कार्यक्षेत्र वाले भोपाल सहित 16 जिलों में बिजली चोरी को रोकने की दिशा में यह निर्णय लिया है। कंपनी ने इन कर्मचारियों को शामिल करते हुए कहा है कि यदि वह सूचना देते हैं और सही पाई जाती है तो उन्हें योजना के तहत पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। बता दें कि अभी तक इस योजना का लाभ सिर्फ विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को ही दिया जाता था। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अनुसार वर्तमान में विभागीय कर्मचारियों के दायित्वों का निर्वहन आउटसोर्स के कर्मचारियों द्वारा भी किया जा रहा है। विभिन्न परिसरों की जांच और उसके बाद बनाए गए पंचनामा के आधार पर आरोपितों के खिलाफ निकाली गई राशि की वसूली में, सर्विस प्रोवाईडर के माध्यम से नियुक्त आउटसोर्स के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।इसलिए विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ जांच और वसूली के कार्य में सम्मिलित आउटसोर्स कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत ढाई प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाने का निर्णय लिया है।कंपनी ने शुरू की ऑनलाइन व्यवस्थाबिजली कंपनी द्वारा चोरी के प्रभावी रोकथाम और विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है।योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल पर दे सकता है।

नकली पुलिस का उत्पात- रात में वाहन चालकों को रोका, चेकिंग के नाम पर धमकाया, रुपये न देने पर कांच फोड़े

ग्वालियर। शहर के गोला का मंदिर इलाके में नकली पुलिस ने रात को जमकर उत्पात मचाया। पहले तो वाहन चालकों को रोका। चेकिंग के नाम पर धमकाया। जबरन गाड़ी में सवार हो गए फिर रुपये न देने पर कांच भी फोड़ डाले।

एक वाहन चालक ने 60 हजार रुपये वसूलने की भी शिकायत की है। मामला पुलिस तक पहुंचा तो वह हरकत में आई। आरोपियों को भी पकड़ लिया है। दो आरोपित नाबालिग हैं, इनका सरगना सौरभ गौड़ है। इन पर गोला का मंदिर थाना पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है।

घासमंडी का रहने वाला राजू शाक्य लोडिंग चलाता है। वह बीती रात माल उतारने के बाद वापस लौट रहा था। जैसे ही गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में रेसकोर्स रोड पर एलएनआइपीई के सामने पहुंचा, तो बुलट पर सवार होकर तीन युवक आए। इन लोगों ने ओवरटेक कर गाड़ी रोक ली। उतरते ही राजू में थप्पड़ मारे। उससे कहा कि हम पुलिस वाले हैं।

इनमें से एक युवक खुद को दरोगा बताने लगा। गाड़ी के कागज मांगे। जबरन गाड़ी में बैठे और गोला का मंदिर तक उसे लेकर आए। उससे रुपये मांगे और जब रुपये नहीं दे पाया, तो मारपीट कर दी। एक और वाहन चालक आया, उसे रोक लिया। उससे 60 हजार रुपये मांगे, जब वह रुपये नहीं दे पाया, तो गाड़ी के कांच फोड़ दिए। इसके बाद वाहन चालक ने पुलिस से शिकायत की।

दिनभर टालती रही पुलिस

फरियादी इस घटना के बाद गोला का मंदिर थाने पहुंच गया। थाने पहुंचने के बाद शिकायत की। यहां का स्टाफ पूरे दिन घटना को टालता रहा। पुलिसकर्मी इसे सड़क हादसा ही बताते रहे थे।

ग्वालियर रेंज के आइजी अरविंद सक्सेना तक यह शिकायत पहुंची, तब आनन-फानन में एफआइआर भी दर्ज हो गई। आरोपी भी पकड़ लिए गए। इससे पहले पुलिस चालक को ही दोषी बता रही थी।

आरोपियों को पकड़ने के दिए निर्देश

मेरे संज्ञान में मामला आया था, तुरंत एफआइआर दर्ज कर आरोपितों को पकड़ने के निर्देश दिए। थाने पर फरियादी की सुनवाई में कोताही बरती तो सख्त कार्रवाई होगी। मैं इस मामले में दिखवाऊंगा, किस वजह से एफआइआर तुरंत नहीं की गई। अरविंद सक्सेना, आइजी, ग्वालियर रेंज।

आर्ट एवं कल्चर की वरिष्ठ फोटोग्राफर प्रीति मान ने कहा , फोटोग्राफर बनना आसान है, बने रहना कठिन

इंदौर। आर्ट एवं कल्चर की वरिष्ठ फोटोग्राफर प्रीति मान ने कहा कि आज के दौर में फोटोग्राफर बनना आसान है लेकिन फोटोग्राफर बने रहना कठिन कार्य है। सुश्री मान स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहीं थीं। निमाड़ के धामनोद की सुश्री मान ने ट्रैवलिंग के शौक के दौरान फोटोग्राफी को अपना करियर बना लिया। बीबीसी में आर्ट एवं कल्चर इवेंट की फोटोग्राफी और डॉक्यूमेंट्री शूट करतेङ्ककरते सुश्री मान आज देश की जानीङ्कमानी फोटोग्राफर बन गई हैं। उन्होंने कहा कि आज की जनरेशन फोटोग्राफी की तरफ तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल फोन इसकी बड़ी वजह है। मोबाइल फोन से इंस्टेंट वर्क किया जा सकता है लेकिन उम्दा क्वालिटी की फोटोग्राफी कैमरों से ही संभव है।

मोबाइल जर्नलिज्म के सन्दर्भ में सुश्री मान ने कहा कि प्रिंट मीडिया में फोटोग्राफी के अवसर सीमित हो गए हैं जबकि ऑनलाइन या मोबाइल जर्नलिज्म में फोटोग्राफी का तेजी से और ज्यादा उपयोग हो रहा है। अब तो मीडिया संस्थानों में रिपोर्टरों को ही मोबाइल से फोटो-वीडियोग्राफी करना पड़ रही है लेकिन हमे मानना होगा कि रिपोर्टर का सेन्स ऑफ़ स्टोरी सिर्फ स्टोरी तक ही फोकस रहता है। अभी फोटोग्राफी पुरानी और नई तकनीक के बीच से गुजर रही है। आने वाला वक़्त तय करेगा कि बेहतर कौन है।

सुश्री मान ने कहा कि महिला और पुरुष फोटोग्राफर में कोई अंतर नहीं रहता। उन्होंने भी पुरषों की भांति दीवारों और पेड़ों पर चढ़कर फोटोग्राफी की है और धक्के भी खाए हैं। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में रहने के बावजूद उन्होंने मध्यप्रदेश में सिंहस्थ, ट्राइबल म्यूजियम भोपाल, भगोरिया जैसे इवेंट कवर किए हैं। आने वाले दिनों में वे बाग़, चंदेरी, ओरछा, ग्वालियर जैसे एतिहासिक महत्व के स्थानों पर फोटोग्राफी करने जायेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी कुछ माह में वे भोपाल में पोट्रेट फोटोग्राफी एग्जीबिशन करने जा रही हैं। इसी के साथ उनके करियर में देश के सैतालीस कलाकारों के डिटेल इंटरव्यू पर आधारित पुस्तक प्रकाशन का कार्य भी कर रही हैं।

सुश्री मान ने कहा कि इन दिनों वेडिंग फोटोग्राफी में अच्छा स्कोप है। बड़े डिग्रीधारी युवा भी इस क्षेत्र में आ रहे हैं। उन्होंने फोटोग्राफी का मूलमंत्र सही समय, सही जगह, सही क्लिक को बताया। प्रारम्भ में स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल एवं कोषाध्यक्ष सोनाली यादव ने सुश्री मान का स्वागत किया। कार्टूनिस्ट गोविन्द लाहोटी 'कुमार' ने कैरिकेचर भेंट किया। वरिष्ठ पत्रकार मोहन नरवरिया, समीर खान, जितेन्द्र सिंह भाटिया एवं सुदेश गुप्ता ने स्मृति चिन्ह एवं मीडिया साहित्य भेंट किया। अंत में मीना राणा शाह ने आभार व्यक्त किया।

सोयाबीन के दामों में ऐतिहासिक गिरावट, सोपा ने नेफेड की नीलामी रोकने की उठाई मांग

इंदौर। देशभर के सोयाबीन किसान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, क्योंकि बाजार में सोयाबीन की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी नीचे पहुंच गई हैं। सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इस गंभीर स्थिति पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का ध्यान आकर्षित करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।

सोपा के चेयरमेन डॉ डेविश जैन द्वारा भेजे गए पत्र में बताया गया है कि वर्तमान में सोयाबीन की कीमतें महज 3900 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल पर सिमट गई हैं, जबकि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों को इस भारी नुकसान से उबारने के लिए सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया ने सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

नेफेड की नीलामी से और गिरेगी कीमतें- सोपा ने पत्र में यह भी चेतावनी दी है कि भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ द्वारा खुले बाजार में स्टॉक की बिक्री करने की योजना से स्थिति और बिगड़ सकती है। डॉ जैन ने कृषि मंत्री को लिखे पत्र में आशंका व्यक्त किया है कि यदि नेफेड जल्दबाजी में सोयाबीन स्टॉक बेचता है, तो पहले से ही संकट में चल रही कीमतों में और गिरावट आ सकती है, जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी।

किसानों का मोहभंग, खरीफ सीजन में बदल सकते हैं फसल- डॉ जैन ने पत्र में लिखा है कि बाजार में लगातार गिरती कीमतों से निराश कई किसानों ने अगली खरीफ फसल में सोयाबीन की जगह दूसरी फसलों की ओर रुख करने का मन बना लिया है। यह न केवल किसानों की आजीविका पर असर डालेगा, बल्कि देश के तेल उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करेगा। सोपा ने सरकार से अनुरोध किया है कि NAFED और अन्य एजेंसियों द्वारा रखे गए सोयाबीन के स्टॉक को 15 जुलाई 2025 के बाद ही बेचा जाए, ताकि किसानों को अपनी फसल का सही दाम मिल सके और बाजार में स्थिरता बनी रहे।

नेशनल लोक अदालत में विद्युत के मामलों के निराकरण में मिलेगी छूट

इंदौर। कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार आगामी 08 मार्च को वर्ष 2025 की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इंदौर जिले में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर श्री अजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहायता अधिकारी श्री मिथिलेश डेहरिया ने बताया कि 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में आपराधिक, सिविल, वैवाहिक, मोटर दुर्घटना, चैक बाउंस, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता मामले एवं अन्य प्रकरणों सहित विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत बनाये गये विद्युत उपभोक्ताओं के प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। विद्युत विभाग से संबंधित प्रकरणों में ऊर्जा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार 08 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में आंकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रूपये तक के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट रहेगी। साथ ही आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज की 100 प्रतिशत छूट प्रदान की जायेगी। ऐसे समस्त विद्युत उपभोक्ता जिनके प्रकरण विशेष न्यायालय इन्दौर में लंबित है अथवा न्यायालय में दर्ज किया जाना शेष हैं वे नेशनल लोक अदालत में दी जा रही छूट का लाभ प्राप्त कर अपने मामले का स्थाई निराकरण प्राप्त कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन से अपील की गयी है कि वे अपने मामलों का निराकरण 08 मार्च को आयोजित नेशनल लोक अदालत में कराकर नेशनल लोक अदालत के लिए प्रावधानित छूट का लाभ प्राप्त करें।

भोजन की गुणवत्ता से न हो समझौता- मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने दिये निर्देश

सीएम राइज और पीएमश्री विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले समूहों की कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर। जिला पंचायत सभागृह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में जिले के समस्त सीएम राइज एवं पीएमश्री विद्यालयों के मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले स्वयं सहायता समूह सदस्यों व मध्यान्ह भोजन प्रदाता संस्थाओं के प्रतिनिधियों, विद्यालय के मध्यान्ह भोजन प्रभारियों की संयुक्त कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में समस्त स्वयं सहायता समूह को शासन द्वारा मध्यान्ह भोजन हेतु निर्धारित मापदंड से अवगत कराया गया। उन्हें उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन ने कहा कि विद्यालय में प्रदाय किए जाने वाला भोजन पौष्टिक होने के साथ-साथ निर्धारित मैन्यू अनुसार होना चाहिये। शासन द्वारा निर्धारित

मात्रा से कम भोजन विद्यार्थियों को उपलब्ध नहीं कराया जाए। कार्यशाला के दौरान समूह को किचन की साफ-सफाई, मध्यान भोजन बनाते वक्त रखने वाली सावधानियां व समस्त सुरक्षा उपायों से विस्तार से अवगत कराया गया।

कार्यशाला में स्वयं सहायता समूह को शासन की महत्वपूर्ण योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं शहरी आजीविका मिशन में अपने समूह को अनिवार्यतः पंजीकृत कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी समूहों को प्राप्त हो सके। साथ ही समूहों को अवगत कराया गया कि सीएम राइज एवं पीएमश्री विद्यालय के स्वयं सहायता समूह को निर्धारित ड्रेस कोड अपनाया जाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाना है। कार्यशाला के दौरान समूहों को मध्यान्ह भोजन संचालन में आ रही समस्याओं की भी जानकारी ली गई तथा उनका समाधान किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत से मध्यान भोजन प्रभारी परियोजना अधिकारी, ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक, सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारी व सम्बन्धित शालाओं के प्रभारी उपस्थित थे।

इंदौर जिले में आगामी सभी त्यौहार एवं पर्व आपसी सद्भाव, एकता के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाये जाएंगे- इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा जायेगा

इंदौर। इंदौर जिले में आगामी महीनों में आने वाले सभी धर्मों के त्यौहार एवं पर्व आपसी सद्भाव, एकता एवं भाईचारे के साथ मिलजुल कर मनाये जायेंगे। इंदौर की गौरवशाली गंगा-जमुनी परंपरा को कायम रखा जाएगा। त्यौहार एवं पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था हर हाल में कायम रखी जाएगी। यह निर्णय आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई शांति समिति की बैठक में लिये गए। बैठक में शांति समिति के पुर्नगठन का निर्णय भी लिया गया। तय किया गया कि जिला और थाना स्तर की शांति समितियों को पुर्नगठित कर नये सक्रिय सदस्य समिति से जोड़े जायेंगे।

बैठक में आगामी महीनों में आने वाले त्यौहारों एवं पर्वों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि त्यौहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। शांति एवं कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। किसी को भी छोड़ा नहीं जायेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी त्यौहार एवं पर्व आपसी सद्भाव, एकता के साथ शांतिपूर्ण रूप से मनाये जाएंगे और हर हाल में इंदौर की गौरवशाली परम्परा को कायम रखा जायेगा।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह, डीसीपी डॉ. ऋषिकेश, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और शांति समिति के सदस्यगण मौजूद थे। बैठक में त्यौहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में त्यौहारों के दौरान विद्युत आपूर्ति, मार्गों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल प्रबंध तथा सतत विद्युत आपूर्ति बनाये रखने के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें जिससे कि किसी को परेशानी नहीं हो और त्यौहार आपसी सद्भाव के साथ शांतिपूर्ण रूप से मना सके। मार्गों की मरम्मत पर विशेष ध्यान दें। विद्युत आपूर्ति सतत बनाये रखने के लिये समुचित व्यवस्था की जाये।

सेवा सप्ताह, कान्ह नदी के किनारों पर विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों ने की सफाई

इंदौर। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। जल जीव मात्र के जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। इसके महत्व को पहचानना चाहिए। पानी की अनावश्यक बर्बादी नहीं हो इसका ध्यान सभी को रखना होगा। जल के बिना जीवन की कल्पना निरर्थक है।

यह बातें मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ के सेवा सप्ताह के दूसरे दिन कान्ह नदी के तट पर स्वच्छता अभियान की अगुवाई कर रहे विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री दर्जा पं. योगेन्द्र महंत ने कही एवं पर्यावरण की बेहतरी के लिए नदी संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी दिलाया। इस दौरान मुख्य रूप से शशि सातपुते, राहुल जैन, रूपेन्द्र जैन, राकेश बाथरे, शिशिरजी एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओ के 200 से ज्यादा वालेंटियर कृष्णपुरा छत्रि स्थित घाट नदी व घाट सफाई स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 10 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ की गई तत्पश्चात नदी के घाट पर झाड़ू एवं वहां पड़ी गंदगी को साफ किया गया। घाट पर रंगरोगन भी उत्साह के साथ सभी वालेंटियर ने किया।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

महाशिवरात्रि पर 18 घंटे में 5 लाख भक्तों ने किए भगवान महाकालेश्वर के दर्शन

उज्जैन। महाशिवरात्रि के पर्व पर महाकालेश्वर मंदिर के पट मंगलवार देर रात 2:30 बजे ही खुल गए थे। महाशिवरात्रि पर 12 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया गया था। महापर्व पर महाकाल की विशेष पूजा हुई। महाकाल के दूल्हा रूप के दर्शन करने के लिए मंगलवार रात से ही लंबी-लंबी कतारें लगने लगी थी। मंगलवार रात 2:30 बजे से बुधवार रात 8:30 बजे तक 18 घंटे की अवधि में लगभग 5 लाख भक्त महाकाल दर्शन कर चुके थे। उसके बाद भी लाखों भक्त कतार में लगे नजर आ रहे थे।

महाशिवरात्रि पर्व पर भक्तों को दर्शन हेतु महाकालेश्वर मंदिर के पट देर रात 2:30 बजे खोले गए थे, जो लगातार 44 घंटो तक सतत खुले रहेंगे। यानी अगले दिन बुधवार 27 फरवरी को शयन आरती के समय 10-30 बजे बंद होंगे। इस दौरान बाबा महाकाल की विशेष पूजा अर्चना भी की जायेगी।

भगवान महाकाल के दर्शन के लिए मंगलवार रात से ही लंबी लंबी लाइन लगनी शुरू हो गई थी। दर्शन के लिए निर्धारित रूट 2.5 किलोमीटर का है। महाकाल मंदिर प्रशासन ने दावा किया था कि श्रद्धालुओं को 40 मिनट में दर्शन कराने की व्यवस्था बनाई गई, लेकिन दर्शन में लगभग 2 घंटे का समय लग रहा था। पट खुलते ही भगवान की तडक़े भस्म आरत की गई। इसके बाद भगवान को पंचामृत स्नान कराया गया और दुल्हा स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया।

चलते-चलते किए जा रहे दर्शन -ऐसा अनुमान लगाया गया है कि लगभग 12 लाख श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर सकते है। महाशिवरात्रि के मौके पर पूरे मंदिर की आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई है वहीं गर्भगृह और नंदी हॉल को भी विदेशी फूलो से सजाया गया है। बाबा महाकाल के पट खुलने के बाद भस्मारती के दौरान पूरा नंदी हाल भक्तों से भरा हुआ था साथ ही चलित भस्मारती भी सतत कराई जा रही थी। सामान्य दर्शन भी गणेश और कार्तिकेय मण्डप से श्रध्दालुओं को चलते चलते कराए जा रहे हैं।

दोपहर में हुई तहसील की ओर से पूजा-महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि महाशिवरात्रि महापर्व पर भस्म आरती हेतु महाकालेश्वर भगवान के मंगल पट देर रात 2:30 बजे खोले गए। भस्मारती उपरांत बुधवार सुबह 7:30 से 8:15 दद्योदक आरती की गई। जिसके बाद 10:30 से 11:15 तक भोग आरती हुई । वहीं महाशिवरात्रि की दोपहर 12 बजे से उज्जैन तहसील की ओर से पूजन-अभिषेक किया गया।

श्री त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर (छोटे महाकाल) में सजा सवा क्विंटल फलों से सेहरा

हजारों भक्तों ने किये सेहरा दर्शन, 56 भोग अर्पित कर की महाआरती-आज लगेगा लड्डूओं का महाभोग

उज्जैन। श्री त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर (छोटे महाकाल) फ्रीगंज में तीन दिवसीय शिवरात्रि महोत्सव में 26 फरवरी की शाम सवा क्विंटल फलों से महादेव का सेहरा सजाया गया। छप्पन भोग अर्पित कर शाम को महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण हुआ।

मंदिर के पुजारी पं. शैलेन्द्र व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर रूद्राभिषेक, लघुरूद्र के बाद 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर सुबह महादेव का पंचामृत अभिषेक और आरती के पश्चात सुबह से प्रसादी वितरण प्रारंभ हुआ। शाम 6 बजे सेहरा दर्शन प्रारंभ हुआ तथा रात 8 बजे महाआरती हुई। ढोल नगाड़ों के साथ हुई महाआरती में घोड़ियों का नृत्य हुआ। महाआरती पश्चात प्रसादी वितरण का आयोजन हुआ। पं. व्यास के अनुसार आज 27 फरवरी को सुबह आरती के पश्चात लड्डूओं का महाभोग लगेगा। मंदिर पर आकर्षक साज सज्जा की गई वहीं महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया गया। आकर्षक विद्युत सज्जा की गई है। सुबह से देर रात तक हजारों भक्तों ने बाबा के दर्शन कर धर्मलाभ लिया।

श्री कामेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर किया जलार्पण, अभिषेक पूजन

उज्जैन। उज्जयिनी शिव नगरी में रामघाट स्थित 13/84 श्री कामेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि महापर्व पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा जलार्पण, अभिषेक पूजन किया गया। शासकीय पुजारी पूजा अमृतेश त्रिवेदी ने बताया कि प्रातः 10 बजे खिचड़ी प्रसाद का वितरण धर्म परायण श्रद्धालुओं के लिए किया गया एवं सायंकाल महाआरती कर घाट के स्वच्छता प्रहरी का सपरिवार सम्मान कर खीर प्रसाद वितरीत की गई।

महाशिवरात्रि पर गढ़कालिका मंदिर में भक्त ने 51 हजार रुपए दान किए

उज्जैन। गढ़कालिका मंदिर में दर्शन करने आए भक्त पार्थ सारथी पाली निवासी कियोंझर ओड़िसा ने अपनी श्रद्धा से शासकीय पुजारी महंत करिश्मानाथ की प्रेरणा से 51 हजार रुपए की राशि समिति को दान में दी है। समिति के प्रबंधक मूलचंद जाटवा ने बताया कि भक्त पार्थ यहां दर्शन के लिए आए थे। इसी दौरान उन्होंने मंदिर की पुजारी से पूजन-अर्चन कराया व खुश होकर 51 हजार रुपए की राशि दान में दी है। समिति ने राशि प्राप्त कर भक्त को मां गढ़कालिका का चित्र व प्रसाद आदि भेंट कर सम्मान किया।

ऋणमुक्तेश्वर में अभिषेक, हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे में ली प्रसादी

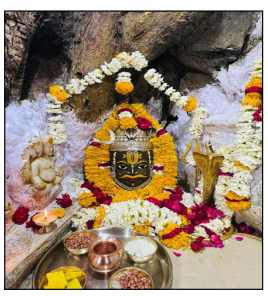

उज्जैन। उज्जैन के प्रसिद्ध श्री ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भर्तृहरि गुफा में पीठाधीश्वर योगी पीर महंत श्री रामनाथ जी महाराज के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान किए गए। ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर के महंत श्री महावीरनाथ जी महाराज ने बताया कि सुबह 11 पंडितों के द्वारा पंचामृत से अभिषेक कर श्रृंगार किया गया व ढोल-ढमाकों से महाआरती की। दिनभर भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

महाशिवरात्रि पर सिंधी समाज ने किया 31 क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी, नमकीन छाछ एवं चाय का वितरण

संतराम सिंधी कॉलोनी पर भगवान शिव का विशाल बर्फ से निर्मित विशाल शिवलिंग बनाया

उज्जैन। महाशिवरात्रि पर सिंधी समाज द्वारा समाजसेवी महेश परयानी के नेतृत्व में महामृत्युंजय द्वार पर 31 क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी, नमकीन छाछ एवं चाय का वितरण किया गया।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी के अनुसार विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, निगम सभापति कलावती यादव की विशेष उपस्थिति में प्रातः 8 से देर रात्रि तक साबूदाने की खिचड़ी, छाछ एवं स्वादिष्ट चाय प्रसादी का वितरण महामृत्युंजय द्वार पर किया गया। श्वेत वस्त्रों में केसरिया दुपट्टा धारण कर पूज्य इंदिरा नगर पंचायत, पूज्य सिंधी कॉलोनी पंचायत, माधव नगर पंचायत, झूलेलाल महिला मंडल एवं साहिती पंचायत, पूज्य भाई बंध पंचायत, भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा एवं सिंधी समाज के सदस्य एवं पदाधिकारिगणों के साथ सिंधु जागृत समाज उज्जैन के सभी पदाधिकारियों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शाम को संतराम सिंधी कॉलोनी पर भगवान शिव का विशाल बर्फ से निर्मित विशाल शिवलिंग बनाया गया। आतिशबाजी के साथ महा आरती कर केसरिया ड्राई फ्रूट खीर का प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान महेश परयानी के साथ ही संतोष लालवानी, दौलत खेमचंदानी, प्रताप रोहरा, महेश गंगवानी, गोपाल बलवानी, डॉ जीतेन्द्र जेठवानी, अजय रोहरा, लोकेश आडवानी, जीतेन्द्र कृपलानी, राजकुमार पुरस्वानी, जेठानंद जयसिंघानी, विशाल चंदनानी, महेश चाँदवानी, किशोर मुलानी, कमल शहलानी, कपिल बाशानी, मुकेश सेवारामानी, वीर ममनानी, मनोहर गोपलानी, मितेश जेठवानी, लालू नागवानी, नरेंद्र सबनानी, गोपाल राचवानी, अशोक हरप्लानी, जितेंद्र कृपलानी, स्वाति वासवानी, प्रियंका राठौर, ललित लुल्ला, दीपक राजवानी, दीपक चांदवानी, सौम्या रोचवानी सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने महाशिवरात्रि पर्व इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया।

महाशिवरात्रि पर महाकाल मंदिर में बनाई शिव बारात पर रांगोली

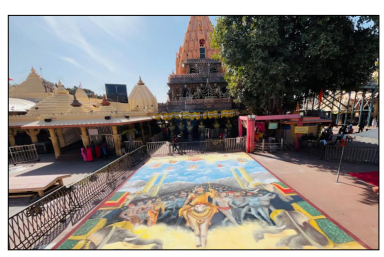

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में विक्रम यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट्स स्टूडेंट्स टीम ने मंदिर प्रांगण में 40 बाय 45 साइज की शिव बारात पर रंगोली निःशुल्क बना कर प्रभु के प्रति अपनी भक्ति जाहिर की।

पंकज सेहरा, मुकुल, लक्ष्मी, नंदिनी, अक्षित, अंशी, नायसा, सलोनी, आदित्य, जगदतबंधु, धर्मेंद्र, प्रथा, जीत, ईशा सोनगरा, संजय लश्करी ने अत्यंत सराहनीय टीम वर्क का परिचय दिया। संजय लश्करी ने शिव मंत्रों, शिव पार्वतीजी के स्व हस्तलिखित असंख्य मंत्रों को उकेर कर शिवजी की बारात में टीम के साथ एक अनूठी भक्ति का परिचय दिया। महाकाल दर्शन करने आए सभी भक्तों को रांगोली अत्यधिक पसंद आई।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com